|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| OL. XXVI | EAL, FRIDAY, AUGUST 27, 187 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  PASTORALCRINAON. $\qquad$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  eimains ine ivi |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| For the DIOCESE of MONTHEAL, containing the PASTORAL of HIS LORDSHIP BISHOP PASTORAL BOURGET. <br> EACII DIOCESE has its Separate JUBILEE BOOK Per Copy, 10c. \| Per Dozen 80c. | Per $100 \$ 5$ D. \& J. SADLIER \& CO., 275 Notre Dame Street, $\qquad$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | dearored to display to the greatest advantage thebrilliancy of her vivid imagination. She inwardlyrejolced when; she saw herself admired, and shelistened to words of praise with anything but in- |  |  |  |
| CARTHAGE; <br> a sister or rabiola. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | atememe |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | and |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | change into its interior relations. <br> CHAPTER III.-THE CHRISTIAN SLAVE. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | 隹 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | and |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Ater |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Remo |  |  |
|  |  |  |  |  |

